

(6)

तुम ही हो माता

तुम ही हो माता, पिता तुम ही हो
तुम ही हो बन्धु, सखा तुम ही हो।
तुम ही हो साथी, तुम ही सहारे,
कोई न अपना सिवा तुम्हारे।

तुम ही हो नैया, तुम ही खेवैया
तुम ही हो बन्धु, सखा तुम ही हो।
जो खिल सकें न, वो फूल हम हैं।
तुम्हारे चरणों की धूल हम हैं।

दया की दृष्टि सदा ही रखना
तुम ही हो बन्धु, सखा तुम ही हो।